Workshop on Pot Designing and Mural Art

The seven days workshop on Pot Designing and Mural Art in the Department of Family and Community Sciences, Faculty of Science, University of Allahabad, Prayagrajfrom **December 3-9, 2021**in collaboration with Pidilite Industries Limited culminated successfully. The valedictory session was Presided over by Prof. ShekharSrivastava, Dean, Faculty of Arts. He congratulated the students for their commendable work and encouraged them to utilize their skills for future entrepreneurship.

Dr. S.I. Rizvi also motivated the students on this occasion. He said that the workshop is a means to preserve the rich cultural traditions of our country. He also suggested that we need to blend our traditions with the traditions of the other countries to create Fusion Art.

During the workshop the students of the Department got an opportunity to get acquainted with the clay body used for making pots and murals, to learn various skills and techniques of pot designing and painting and making murals as per the design. During the seven days period the students showcased their talent by adoring the canvas by varied Mural designs, diya decoration, pot decoration, Kalash art and a wide variety of other items were also made by them. The training sessions were organized by Pidilite Trainer Ms.Anuradha Sharma. Certificates of participation were distributed to the students.

The workshop was convened by Dr. Neetu Mishra, HOD, Department of Family and Community Sciences. The organizing secretary of the workshop was Dr. Farida Ahmed and co-organizing secretary was Dr. RituSureka. Other faculty members were also present on the occasion.

परिवार और सामुदायिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से 3-9 दिसंबर, 2021 तक पॉट डिजाइनिंग और म्यूरल आर्ट पर सात-दिवसीय कार्यशाला परिवार और सामुदायिक विज्ञान विभाग में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। समापन सत्र की अध्यक्षता विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर शेखर श्रीवास्तव ने की। उन्होंने छात्राओं को उनके सराहनीय कार्य के लिए बधाई दी और उन्हें भविष्य की उद्यमिता के लिए अपने कौशल का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर डॉ. एस.आई. रिजवी, डीन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट ने भी छात्राओंको प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने का एक साधन है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि फ्यूज़न आर्ट बनाने के लिए हमें अपनी परंपराओं को दूसरे देशों की परंपराओं के साथ सम्मिक्षण करने की आवश्यकता है।

कार्यशाला के दौरान विभाग के छात्राओं को पॉट पेंटिंगएवं म्यूरल आर्ट बनाने की विभिन्न कौशलों और तकनीकों को सीखने का भी अवसर मिला। सात-दिवसीय कार्यशाला के दौरान छात्राओं ने म्यूरल आर्ट को कैनवास में उतार कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही छात्राओंने दिया, बर्तन, कलश और कई अन्य वस्तुएं छात्राओं द्वारा बनाई एवं सजाई गई।

प्रशिक्षण-सत्र का आयोजन पिडिलाइट ट्रेनर सुश्री अनुराधा शर्मा द्वारा किया गया। छात्राओं को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए।

कार्यशाला का संचालन परिवार एवं सामुदायिक विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू मिश्रा ने किया। कार्यशाला की आयोजन सचिव डॉ. फरीदा अहमद थी और सह-आयोजन सचिव डॉ. रितु सुरेका थी। इस अवसर पर अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

NO
ONE
WHAT

WORKSHOP